Q No. विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization – WTO) के कार्यों का विस्तृत वर्णन करें।

विश्व व्यापार संगठन (World Trade Organization – WTO) विश्व का सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संगठन है। इसकी स्थापना 1 जनवरी 1995 को उरुग्वे दौर (Uruguay Round) की बहुपक्षीय व्यापार वार्ताओं के परिणामस्वरूप हुई। इसका मुख्यालय जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में स्थित है। WTO ने GATT (General Agreement on Tariffs and Trade) का स्थान लिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी एवं नियम-आधारित बनाने का कार्य प्रारंभ किया।

आज WTO विश्व के अधिकांश देशों को एक साझा व्यापारिक मंच प्रदान करता है, जहाँ सभी सदस्य देश निर्धारित नियमों के अनुसार व्यापार करते हैं। इसका उद्देश्य केवल व्यापार बढ़ाना ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक विकास, रोजगार, निवेश, प्रतिस्पर्धा और विकासशील देशों की प्रगति को भी प्रोत्साहित करना है।

विश्व व्यापार संगठन (WTO) के प्रमुख कार्य

1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार के नियमों का निर्माण एवं संचालन

WTO का सबसे महत्वपूर्ण कार्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए समान और स्पष्ट नियम बनाना है। ये नियम वस्तुओं, सेवाओं तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित होते हैं। संगठन यह सुनिश्चित करता है कि सभी सदस्य देश इन नियमों का पालन करें, जिससे व्यापार निष्पक्ष और पारदर्शी बना रहे।

2. बहुपक्षीय व्यापार समझौतों को लागू करना

WTO के अंतर्गत अनेक व्यापारिक समझौते किए गए हैं, जैसे–

कृषि समझौता (Agreement on Agriculture)

सेवाओं के व्यापार पर सामान्य समझौता (GATS)

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर समझौता (TRIPS)

निवेश संबंधी उपाय (TRIMS)

इन सभी समझौतों का प्रभावी क्रियान्वयन WTO की जिम्मेदारी है।

3. व्यापारिक विवादों का समाधान

जब दो या अधिक देशों के बीच व्यापार संबंधी विवाद उत्पन्न होते हैं, तब WTO अपने Dispute Settlement Body (DSB) के माध्यम से उनका समाधान करता है।

उदाहरण के लिए–

- आयात-निर्यात पर अतिरिक्त कर लगाना।
- किसी देश द्वारा अनुचित सब्सिडी देना।
- व्यापारिक प्रतिबंध लगाना।
- WTO निष्पक्ष निर्णय देकर विवादों को समाप्त करने का प्रयास करता है।

4. सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा

WTO समय-समय पर सभी सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा करता है। इसे Trade Policy Review Mechanism (TPRM) कहा जाता है।

इसका उद्देश्य है–

- व्यापारिक नीतियों में पारदर्शिता लाना।
- नियमों के पालन की निगरानी करना।
- व्यापारिक वातावरण को बेहतर बनाना।

5. व्यापार उदारीकरण (Trade Liberalization) को बढ़ावा देना

WTO सदस्य देशों को आयात शुल्क (Tariff), कोटा (Quota), लाइसेंस तथा अन्य व्यापारिक प्रतिबंधों को कम करने के लिए प्रेरित करता है।

इससे–

व्यापार बढ़ता है।

वस्तुएँ सस्ती होती हैं।

उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलते हैं।

आर्थिक विकास तेज होता है।

6. विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को विशेष सहायता

WTO विकासशील देशों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें–

तकनीकी सहायता,

- प्रशिक्षण,
- व्यापार संबंधी परामर्श,
- क्षमता निर्माण (Capacity Building),
- विशेष एवं अलग व्यवहार (Special and Differential Treatment)
- जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है।

7. व्यापार वार्ताओं का आयोजन

- WTO समय-समय पर विभिन्न देशों के बीच व्यापारिक वार्ताओं का आयोजन करता है।
- इन वार्ताओं का उद्देश्य होता है–
- व्यापारिक बाधाओं को कम करना।
- नए व्यापारिक समझौते करना।
- वैश्विक व्यापार का विस्तार करना।
- सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाना।

8. निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना

- WTO यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी देश अनुचित व्यापारिक नीतियों का उपयोग करके दूसरे देशों को नुकसान न पहुँचाए।
- इसके अंतर्गत–
- डंपिंग (Dumping) पर नियंत्रण,

- अनुचित सब्सिडी की निगरानी,
- व्यापारिक भेदभाव को रोकना,

9. बौद्धिक संपदा अधिकारों (TRIPS) की सुरक्षा

- WTO के अंतर्गत TRIPS समझौते द्वारा–
- पेटेंट,
- कॉपीराइट,
- ट्रेडमार्क,
- भौगोलिक संकेतक (GI),
- औद्योगिक डिज़ाइन
- आदि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाती है।
- इससे अनुसंधान, नवाचार और नई तकनीकों को बढ़ावा मिलता है।

10. सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देना

- WTO का GATS समझौता सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियंत्रित करता है।
- इसके अंतर्गत–
- बैंकिंग,
- बीमा,
- पर्यटन,
- शिक्षा,
- स्वास्थ्य,
- परिवहन,
- दूरसंचार,
- सूचना प्रौद्योगिकी
- जैसी सेवाएँ शामिल हैं।

11. वैश्विक आर्थिक सहयोग को मजबूत करना

WTO विश्व बैंक (World Bank), अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिलकर वैश्विक आर्थिक विकास और व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देता है।

12. आयात-निर्यात को प्रोत्साहित करना

WTO की नीतियों के कारण सदस्य देशों के बीच व्यापार करना सरल होता है।

इससे–

- निर्यात बढ़ता है।
- विदेशी मुद्रा अर्जित होती है।
- उद्योगों का विकास होता है।
- रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
- आर्थिक विकास को गति मिलती है।

13. पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखना

WTO यह सुनिश्चित करता है कि सभी सदस्य देश अपनी व्यापारिक नीतियों की जानकारी सार्वजनिक करें और नियमों का पालन करें।

इससे वैश्विक व्यापार में विश्वास और स्थिरता बनी रहती है।

14. व्यापार में भेदभाव समाप्त करना

WTO के दो प्रमुख सिद्धांत हैं–

(क) सर्वाधिक अनुकूल राष्ट्र (Most Favoured Nation - MFN)

सभी सदस्य देशों के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

(ख) राष्ट्रीय उपचार (National Treatment)

विदेशी वस्तुओं और घरेलू वस्तुओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा।

15. पर्यावरण एवं सतत विकास को बढ़ावा देना

WTO व्यापार और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास करता है ताकि आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित किया जा सके।

16. वैश्विक व्यापार में स्थिरता बनाए रखना

WTO के नियमों के कारण व्यापारिक युद्धों की संभावना कम होती है तथा सदस्य देशों के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ता है।

17. निवेश एवं औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना

जब व्यापारिक नियम स्पष्ट और स्थिर होते हैं, तब विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ता है। इससे उद्योगों का विकास, उत्पादन में वृद्धि तथा रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होते हैं।

विश्व व्यापार संगठन का महत्व

- अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सरल एवं सुरक्षित बनाता है।
- व्यापारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान करता है।
- विकासशील देशों को वैश्विक व्यापार से जोड़ता है।
- विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करता है।
- रोजगार के अवसरों में वृद्धि करता है।
- उपभोक्ताओं को बेहतर गुणवत्ता की वस्तुएँ उपलब्ध कराता है।
- निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है।
- वैश्विक आर्थिक विकास एवं सहयोग को मजबूत करता है।
- व्यापार में पारदर्शिता और विश्वास स्थापित करता है।
- विश्व अर्थव्यवस्था को स्थिर और संगठित बनाने में योगदान देता है।

निष्कर्ष

विश्व व्यापार संगठन (WTO) आधुनिक विश्व अर्थव्यवस्था की आधारशिला है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार को नियमबद्ध, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाता है। WTO न केवल व्यापारिक समझौतों को लागू करता है, बल्कि व्यापारिक विवादों का समाधान, व्यापार नीतियों की समीक्षा, विकासशील देशों को सहायता, बौद्धिक संपदा की सुरक्षा तथा वैश्विक आर्थिक सहयोग को भी बढ़ावा देता है। वर्तमान वैश्वीकरण के युग में WTO की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से विश्व व्यापार अधिक संगठित, संतुलित और विकासोन्मुख बनता है।